M.A. (Ambedkar Thought) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-196-2 / PGATCT5-2 - Introduction to Buddhism

P. Pages : 3 **GUG/W/23/15156**

Time : Three Hours * 8 0 8 3 * Max. Marks : 80

Notes : 1. Attempt all questions.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the NamRup Theory in Pratityasamutpad. **16**

OR

Write the note on Pratityasamutpad in Buddhism.

2. 'Vedna and Trushna Theory' Explain it on the base of Pratityasamutpad. **16**

OR

Explain the theory of Janma and Jaramaran.

3. Write on information on Char Arya Satya. **16**

OR

Write the importance of Char Arya Satya in Buddhism.

4. Explain Arya Ashtangik marg. **16**

OR

Explain Samma Karmant and Samma Ajivo based on Aarya Ashtangik Marg.

5. Write note on **any two**. **16**

a) Pratityasamutpad and Vidnyan.

b) Upadan theory and Pratityasamutpad.

c) Dukh Nirodh Gamini Pratipada Arya Satya.

d) Samyak Sankalp in Arya Ashtangik marg.

****

M.A. (Ambedkar Thought) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-196-2 / PGATCT5-2 - Introduction to Buddhism

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. प्रतित्यसमुत्पादातील नामरूप सिध्दांत स्पष्ट करा. **16**

किंवा

बुध्दिझम मधील प्रतित्यसमुत्पादाची माहिती लिहा.

2. वेदना आणि तृष्णा या शृंखला प्रतित्यसमुत्पादाच्या आधारे स्पष्ट करा. **16**

किंवा

जन्म आणि जरामरण सिध्दांत स्पष्ट करा.

3. चार आर्य सत्याची माहिती लिहा. **16**

किंवा

चार आर्य सत्याचे बुध्दिझम मध्ये महत्व लिहा.

4 आर्य अष्टांगिक मार्ग स्पष्ट करा. **16**

किंवा

सम्मा कर्मान्त आणि सम्मा आजिवो आर्य अष्टांग मार्गाच्या आधारे स्पष्ट करा.

5. टीपा लिहा **कोणतेही दोन**. **16**

अ) प्रतित्य समुत्पाद आणि विज्ञान

ब) उपादान सिध्दांत आणि प्रतित्य समुत्पाद

क) दु:ख निरोध गामिनी प्रतिपदा आर्यसत्य

ड) आर्य अष्टांगिक मार्गातील सम्यक संकल्प

****

M.A. (Ambedkar Thought) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-196-2 / PGATCT5-2 - Introduction to Buddhism

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न आवश्यक है।
2. सभी प्रश्नों को समान गुण है।

1. प्रतित्यसमुत्पाद का नामरूप सिध्दांत स्पष्ट करें। **16**

अथवा

बुध्दीझम के प्रतित्यसमुत्पाद के बारें में लिखे।

2. वेदना और तृष्णा शृंखला प्रतित्यसमुत्पाद के आधार स्पष्ट करें। **16**

अथवा

जन्म और जरामरण सिध्दांत स्पष्ट करें।

3. चार आर्य सत्य के बारें में लिखे। **16**

अथवा

बुध्दिझम में चार आर्यसत्य का महत्व लिखे।

4. आर्य अष्टांग मार्ग स्पष्ट करें। **16**

अथवा

सम्मा कर्मान्त और सम्मा आजिवो आर्य अष्टांग के आधार पर स्पष्ट करें।

5. टिप लिखे। **किन्ही दो**। **16**

अ) प्रतित्यसमुत्पाद और विज्ञान।

ब) उपादान सिध्दांत और प्रतित्यसमुत्पाद।

क) दु:ख निरोध गामिनी प्रतिपदा आर्यसत्य।

ड) आर्य अष्टांग मार्ग का सम्यक संकल्प।

****